

2/8/22

पत्रावली पेशा द्वि वकाल उभयपक्ष  
 उपस्थित शत्रु प्रार्थना पत्र से संबंधित  
 मूल वाद को उभयपक्ष वकूलाप की सहमति  
 के आधार पर अन्तिम डिमि/किरा या  
 चुका है, आता मूल वाद के निस्तारण तक  
 है जनि से इस प्रार्थना पत्र को अगि चलाने  
 को कोई अर्थ नही रहे जनि से शत्रु  
 प्रार्थना पत्र को खारिज किमा जाता है  
 पत्रावली केसल सुमाट होकर अगि नम्बर  
 से कम होने पर वाखिल फलत है।  
 निधि आज दिनांक 2/8/22 को खुले  
 न्यायालय एवं वरि वजलास सुजाभा वगै

36  
 उप खण्ड अधिकारी  
 बस्सी (जिला जयपुर)